8. 'जिन्दगी और जोंक' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

9. 'जिन्दगी और गुलाब के फूल' कहानी में उषा प्रियंवदा पारिवारिक संबंधों में टकराव का क्या कारण मानती है?

खण्ड 'स'

नोटः निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो का उत्तर दीजिए। शब्द सीमा अधिकतम 500 शब्द हैं प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

2x16=32

10. औपन्यासिक रचना-विधान की दृष्टि से गोदान की समीक्षा कीजिए।

11. 'टूटना' कहानी की तात्विक समीक्षा कीजिए।

12. 'शेखर : एक जीवनी' एक मनोवैज्ञानिक उपन्यास है, सिद्ध कीजिए।

13. कहानी के स्वरूप और विकास पर एक लेख लिखिए।

MAHD-06

June - Examination 2015

एम.ए. उत्तरार्द्ध

कथा-साहित्य

MAHD-06

Time : Three Hours] *[Max. Marks : 80*

निर्देशः यह प्रश्न पत्र तीन खण्डों अ, खण्ड, ब और खण्ड स में विभाजित है। खण्ड अ अति लघुत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघुत्तारात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

खण्ड 'अ'

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। आप अपने उत्तर को एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

8x2=16

प्रश्न-1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(i) हिन्दी में आंचलिक उपन्यास की परम्परा किस उपन्यास से मानी जाती है?

(ii) अज्ञेय का कौन सा उपन्यास मुक्त प्रवाह शैली में लिखा गया है?

(iii) 'गोदान' का प्रतिपाद्य लिखिए।

(iv) 'समय सरगम' उपन्यास में किनके जीवन को जीवन्त बनाया गया है?

(v) 'शतरंज के खिलाड़ी' में किन दो जमींदारों का वर्णन है?

(vi) यशपाल ने 'महाराजा का इलाज' कहानी में किस पर व्यंग्य किया है?

(vii) 'पिता' कहानी का मूल कथ्य क्या है?

(viii) 'टूटना' कहानी किसके बदलाव की कहानी है?

खण्ड 'ब'

निम्नलिखित प्रश्नों में से कोई चार प्रश्न कीजिए। शब्द सीमा लगभग 200 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है। 4x8=32

2. सिद्ध कीजिए कि प्रेमचन्द का 'गोदान' एक सामाजिक उपन्यास है।

3. उपन्यास विधा की सम्यक् परिभाषा दीजिए।

4. निम्न गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

सुनन्दा जहां थीं, वहां हैं।, वह रोटी बना चुकी हैं।, अंगीठी के कोयले उल्टे तवे से दबे हैं। माथे को उंगलियों पर टिकाकर कर बैठी हैं। बैठी-बैठी सूनी सी देख रही है। सुन रही है कि उसके पति कालिन्दी चरण अपने मित्रों के साथ क्यों और क्या बात कर रहे हैं। उसे जोश का कारण समझ में आता। उत्साह उसके लिए अपरिचित है। वह उसके लिए कुछ दूर की वस्तु है, प्रहरणीय और मनोरम और हरियाली वह भारत माता की स्वतंत्रता को समझना चाहती है, पर उसको न भारत माता समझ में आती, न स्वतंत्रता।

5. 'समय सरगम' उपन्यास में कृष्णा सोबती ने अकेलेपन की ऊर्जा का उपयोग किया है', कैसे?

6. 'मधुवा' कहानी के पात्र 'शराबी' के चरित्र की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

7. निम्न गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

महाराज को साधारण लोग बाग की तरह कोई साधारण बीमारी नहीं थी। देश-विदेश से आये हुए बड़े डाक्टर भी उनकी बीमारी का निदान और उपचार करने में मुंह की खा गये थे। लोगों का विचार था कि चिकित्साशास्त्र के इतिहास में ऐसा रोग अब तक देखा-सुना नहीं गया। ऐसे राजरोग को कोई साधारण आदमी झेल भी कैसे सकता था।